

अध्याय-6

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

सन् 1973 में सन् 1975 के बीच आये बदलावों और घटनाओं की परिणति देश में आपातकालीन लागू करने के रूप में हुई इन घटनाओं को हम आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक व न्यायाधीश संदर्भों में समझ सकते हैं।

आर्थिक सन्दर्भ :-

(1) 1971 में 'गरीबी हटाओ' नारे के बावजूद देश में गरीबी बढ़करार। (2) बांग्लादेश संकट से अर्थव्यवस्था चरमराई तथा यूएसए ने सहायता बन्द की। (3) औद्योगिक विकास दर गिरती गई। (4) महंगाई व बेरोजगारी बढ़ी। (5) सरकारी कर्मचारियों के वेतन को रोक दिया गया। (6) 1972-73 में मानसून असफल रहने से कृषि पैदावार कम हुई।

राजनीतिक सन्दर्भ :-

(1) छात्र आन्दोलन - (अ) जनवरी 1974 में महंगाई व भ्रष्टाचार के खिलाफ गुजरात आन्दोलन (ब) मार्च 1914 में खाद्यान्न में कमी, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार आन्दोलन।
(2) नक्सलवादी आन्दोलन - पश्चिमी बंगाल के दर्जिलिंग जिले के नक्सलवादी थाने के इलाके में 1967 में किसान विद्रोह।
(3) जय प्रकाश नारायण का सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा।

न्यायिक सन्दर्भ :- (1) मौलिक अधिकारों में कठौती, नीति निर्देशक कार्यपालिका के सम्बन्धों में तनाव (2) 1973 में सरकार ने वरिष्ठता की अनदेखी करके ए. एन. रे को मुख्य न्यायाधीश बनाया। (3) 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी के 1971 के चुनाव को अवैध घोषित किया।

प्रशासनिक सन्दर्भ :- (1) रेल कर्मचारियों ने जॉर्ज फर्नान्डस के नेतृत्व में बोनस व सेवा शर्तों के लिए हड़ताल की।
(2) रामलील मैदान - 25 जून 1975 को जयप्रकाश नारायण ने सेना पुलिस व सरकारी कर्मचारियों से सरकार के अनैतिक और अवैधानिक आदेशों का पालन न करने का आहवान किया।
(3) विपक्षी दलों ने जयप्रकाश नारायण की अगवाई में इंदिरा गांधी से दस्तीपरे वी. मांग की।

आपातकालीन अवस्था :-

25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में अंदरूनी गड़बड़ी की आशंका के आधार पर संविधान के अनुच्छेद 352 को लागू करा दिया।

आपातकाल का परिणाम :- (1) समाचार पत्रों (मीडिया) पर प्रतिबंध (2) सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों पर प्रतिबंध (3) धरना, प्रदर्शन एवं हड्डताल पर रोक (4) विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी (5) निवारक नजरबंदी का व्यापक प्रयोग (6) मौलिक अधिकारों का स्थगन।

आपातकाल के दौरान घटित घटनाएँ :- (1) गरीबों के लिए बीस सूत्री लागू करना, भूमि सुधार, भू पुर्वितरण का दुरुपयोग (3) प्रेस-संसराशिप लागू करना (4) विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी (5) नसबन्दी कार्यक्रम।

आपातकाल के सबक :-

(1) लोकतंत्र के प्रति लोगों में आस्था बढ़ी। (2) भारत से लोकतंत्र की जड़े मिटाना बहुत कठिन है। (3) अब आपातकाल आन्तरिक अशान्ति के स्थान पर सशास्त्र विद्रोह की स्थिति में मंत्रिपरिषद् की राष्ट्रपति को लिखत सलाह के पश्चात ही लगाया जाएगा। (4) नागरिकों में मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी।

आपातकाल के बाद की राजनीति :-

1977 के लोकसभा चुनाव परिणाम: कांग्रेस की हार, जनता पार्टी को बहुमत (2) केन्द्र में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार का गठन, मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बनें। (3) आपातकाल की जांच के लिए शाह आयोग का गठन।

जनता पार्टी सरकार का शासन :- (1) दिशाहीन, कलहपूर्ण, कमजोर नेतृत्व एवं अव्यवस्थित शासन का शिकार (2) जनता पार्टी की सरकार 18 महीने में गिर गई (3) 1980 में मध्यावधि चुनाव हुए जिसमें इंदिरा गांधी (कांग्रेस-I) भारी बहुमत से जीती।

एक अंकीय प्रश्न

1. 1975 का राष्ट्रीय आपातकाल किस आधार पर लगाया गया था?
2. केशवानंद भारती मुकदमा किस लिए प्रसिद्ध है?
3. 1980 के चुनावों में कांग्रेस को लोकसभा में कितनी सीटें प्राप्त हुईं?
4. 1975 के राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान कौन सा संविधान संशोधन किया गया था?
5. 25 जून 1975 को आपातकाल लागू करने की घोषणा के समय भारत के राष्ट्रपति कौन थे?
6. आपातकाल के दौरान गरीबों के हित के लिए इंदिरा गांधी ने किस कार्यक्रम की घोषणा की?
7. मोरारजी देसाई की सरकार गिरने के पश्चात भारत का प्रधानमंत्री कौन बना?
8. किन दो लेखकों ने लोकतंत्र के दमन होने पर अपनी पदवियां सरकार को लौटा दी?
9. इनमें से इन्हें इंदिरा, डिडिया, इन्होंने भारत को जीता दिया।

दो अंकीय प्रश्न

1. गुजरात में जनवरी 1974 के छात्र आंदोलन के कारण बताइए?
2. जयप्रकाश नारायण ने बिहार के आंदोलनकारी छात्रों के निमंत्रण को किन शर्तों पर स्वीकार किया था?
3. गुजरात और बिहार के छात्र आंदोलनों के प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए?
4. निवारक नजरबंदी का क्या अर्थ है?
5. आपातकाल के दौरान संवैधानिक प्रावधानों किए गए किन्हीं दो परिवर्तनों का उल्लेख कीजिए?
6. प्रेस सेंसरशिप का विरोध करने वाले किन्हीं दो समाचार पत्रों के नाम लिखिए?
7. 1977 के लोकसभा चुनावों के किन्हीं दो परिणामों का उल्लेख कीजिए?

चार अंकीय प्रश्न

1. 1970 के दशक में न्यायपालिका और सरकार के बीच संघर्ष के प्रमुख मुद्दे क्या थे?
2. प्रेस सेंसरशिप पर टिप्पणी लिखिए?
3. 1977 के चुनावों में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनने के क्या कारण थे?
4. निम्नलिखित में मेल बिठाएँ :-

(क) संपूर्ण क्रांति	(1) इंदिरा गांधी
(ख) गरीबी हटाओ	(2) जयप्रकाश नारायण
(ग) छात्र आंदोलन	(3) बिहार आन्दोलन
(घ) रेल हड्डताल	(4) जॉर्ज फर्नांडिस
5. क्या आन्तरिक अशांति के नाम पर आपातकाल लगाना आवश्यक था? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दे।
6. बिहार के छात्र आन्दोलन में जय प्रकाश नारायण की भूमिका का वर्णन कीजिए?

छः अंकीय प्रश्न

1. 1975 के आपातकाल के कारणों की विस्तार से चर्चा कीजिए?
2. 'भारत में 1975 के आपातकाल के दौरान सरकार ने रचनात्मक और दमनात्मक दोनों तरह की नीतियों का सहारा लिया। अपने विचार व्यक्त कीजिए।
3. आपातकाल के प्रमुख सबकों की चर्चा कीजिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर

उत्तर 1 :- आन्तरिक अशान्ति के आधार पर।

उत्तर 2 :- संविधान की मूल संरचना के सिद्धान्त के लिए

उत्तर 3 :- 353 सीटें

उत्तर 4 :- 42 वाँ।

उत्तर 5 :- फखरुद्दीन अली अहमद।

उत्तर 6 :- बीस सूत्री कार्यक्रम।

उत्तर 7 :- चौधरी चरण सिंह।

उत्तर 8 :- पदमभूषण से सम्मानित कन्नड़ लेखक शिवराम कारत और पदमश्री से सम्मानित लेखक फणीश्वरनाथ रेणु।

उत्तर 9 :- कांग्रेस अध्यक्ष डी० के० बरुआ ने 1974 में

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर

- बढ़ती मंहगाई और उच्च पदों पर जारी भ्रष्टाचार के खिलाफ
- आंदोलन अहिंसक रहेगा और अपने को सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रखेगा।
- गुजरात - मोरारजी देसाई
बिहार - जय प्रकाश नारायण
- शक के आधार पर गिरफ्तारी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
- आपातकाल के दौरान इसका दुरुपयोग
- प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।
- लोकसभा के कार्यकाल को 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष करना आदि।
- ईंडियन एक्सप्रेस
- स्टेट्समैन
- कांग्रेस की हार
- जनता पार्टी की सरकार आदि

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर

- क्या संसद संपत्ति के अधिकार में कांट-छांट कर सकती है।
 - क्या नीति निर्देशक सिद्धान्त मौलिक अधिकारों से ज्यादा महत्वपूर्ण है।
 - सर्वोच्च न्यायलय के मुख्य न्यायधीश बनाने में सरकार की मनमानी
2. प्रेस सेंसरशिप का अर्थ होता है—प्रेस की स्वतंत्रता यह रोक लगाना। इसमें समाचार पत्रों को कुछ भी छापने से पहले अनुमति लेनी जरूरी होती है।
3. (1) आपातकाल का मुद्रा (2) जयप्रकाश नारायण नेतृत्व
(3) विपक्षी पार्टियों की एक जुट्ठा (4) कांग्रेस के अंदर ही असंतोष
(5) धरना प्रदर्शन व हड़ताल पर रोक (6) प्रेस सेंसरशिप
(7) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जमात ए इस्लामी पर प्रतिबन्ध
(8) मौलिक अधिकारों का स्थगन आदि।
4. (क) संपूर्ण क्रांति (2) जयप्रकाश नारायण
(ख) गरीबी हटाओ (1) इंदिरा गांधी
(ग) छात्र आंदोलन (3) बिहार आन्दोलन
(घ) रेल हड़ताल (4) जॉर्ज फर्नांडिस
5. (1) पूरे देश में हड़ताल, धरना, बंद व प्रदर्शन का माहौल।
(2) इंदिरा गांधी के प्रति विरोधपूर्ण वातावरण (3) सरकारी नीतियों की आलोचना
(4) सरकार के साथ न्यायपालिका का टकराव (5) इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध घोषित करना।
6. (1) सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा
(2) आन्दोलन को बिहार के साथ पूरे देश में फैलाना।
(3) सरकार की नीतियों का विरोध
(4) अपने आपको इंदिरा के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना।
(5) सेना, पुलिस व सरकारी कर्मचारियों को सरकार का आदेश पालन करने से मना करना।

छ: अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. (अ) आर्थिक संकट (ब) बांग्लादेश संकट प्रभाव (स) खाद्यान्त संकट

- (ल) विभिन्न विरोधी दलों की जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में एकजुटता का प्रयास
- (व) इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्द्रा गाँधी के निर्वाचन को अवैधानिक घोषित करना
इत्यादि
- (2) **रचनात्मक कार्य :-** (1) भूमि सुधार (2) भूमि पुनर्वितरण (3) प्रबंधन में कामगारों की
भागीदारी (4) बंधुआ मजदूरी की समाप्ति (5) जनसंख्या नियंत्रण की नीतियां (6) सरकारी कर्मचारियों
पर अनुशासन आदि।
- दमनात्मक कार्य :-** (1) विपक्षी दलों के नेताओं की गिरफ्तारियां (2) प्रेस सेसंरशिप (3) अनिवार्य
नसबन्दी (4) मौलिक अधिकारों का स्थगन आदि।
- (3) स्मरणीय बिन्दु देखिये।